



02 Aug 1987

10:40 AM

Jaipur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121008711

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
 02/08/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : 02/08/2026
 रविवार : _____ दिन _____ : रविवार
 घंटे 10:40:00 : _____ जन्म समय _____ : 10:38:09 घंटे
 घटी 12:01:50 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 11:56:28 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jaipur : _____ स्थान _____ : Jaipur
 उत्तर 26:53:00 : _____ अक्षांश _____ : 26:53:00 उत्तर
 पूर्व 75:50:00 : _____ रेखांश _____ : 75:50:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:51:16 : _____ सूर्योदय _____ : 05:51:33
 19:14:11 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:13:48
 23:41:00 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:52
 कन्या : _____ लग्न _____ : कन्या
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 तुला : _____ राशि _____ : कुम्भ
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : शनि
 स्वाति : _____ नक्षत्र _____ : पू०भाद्रपद
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : गुरु
 1 : _____ चरण _____ : 3
 शुभ : _____ योग _____ : अतिगण्ड
 वणिज : _____ करण _____ : बव
 रू-रूपेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : दा-दामिनी
 सिंह : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : सिंह
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 महिष : _____ योनि _____ : सिंह
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : सर्प
 39 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 40



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	3	18:27:19	कन्या			लग्न			कन्या	17:59:02	3	हस्त
पुष्य	4	15:43:10	कर्क			सूर्य			कर्क	15:43:10	4	पुष्य
स्वाति	1	08:29:24	तुला			चंद्र			कुंभ	27:24:49	3	पू०भाद्रपद
आश्लेषा	2	23:12:36	कर्क	अ		मंगल			वृष	29:39:25	2	मृगशिरा
पुनर्वसु	3	28:15:50	मिथु			बुध			मिथु	26:20:09	2	पुनर्वसु
अश्विनी	2	05:32:17	मेष			गुरु	अ		कर्क	12:59:58	3	पुष्य
पुष्य	2	09:55:32	कर्क	अ		शुक्र			कन्या	01:05:07	2	उ०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	2	21:05:05	वृश्चि	व		शनि	व		मीन	20:29:03	2	रेवती
उ०भाद्रपद	3	10:07:42	मीन			राहु			कुंभ	05:36:27	4	धनिष्ठा
हस्त	1	10:07:42	कन्या			केतु			सिंह	05:36:27	2	मघा
ज्येष्ठा	4	29:24:39	वृश्चि	व		मु			धनु	18:27:19	2	पूर्वाषाढ़ा

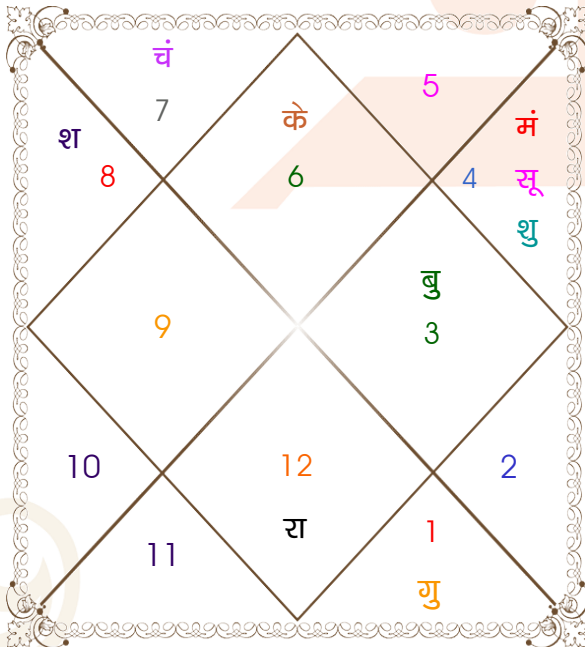
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

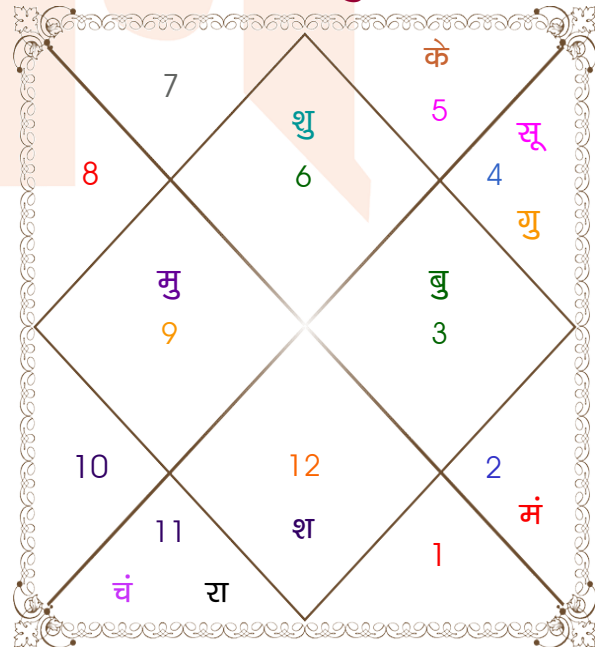
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:52

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शुक्र - शुक्र 06/12/2025 13:57 17/06/2026 08:27	शनि - शुक्र - सूर्य 17/06/2026 08:27 14/08/2026 04:24	शनि - शुक्र - चंद्र 14/08/2026 04:24 18/11/2026 13:39	शनि - शुक्र - मंगल 18/11/2026 13:39 25/01/2027 00:55
शुक्र 07/01/2026 17:02 सूर्य 17/01/2026 08:21 चंद्र 02/02/2026 09:54 मंगल 13/02/2026 15:47 राहु 14/03/2026 13:45 गुरु 09/04/2026 06:37 शनि 09/05/2026 19:09 बुध 06/06/2026 02:34 केतु 17/06/2026 08:27	सूर्य 20/06/2026 05:51 चंद्र 25/06/2026 01:30 मंगल 28/06/2026 10:28 राहु 07/07/2026 02:40 गुरु 14/07/2026 19:43 शनि 23/07/2026 23:29 बुध 01/08/2026 04:06 केतु 04/08/2026 13:04 शुक्र 14/08/2026 04:24	चंद्र 22/08/2026 05:10 मंगल 27/08/2026 20:06 राहु 11/09/2026 07:06 गुरु 24/09/2026 03:32 शनि 09/10/2026 09:48 बुध 23/10/2026 01:30 केतु 28/10/2026 16:27 शुक्र 13/11/2026 17:59 सूर्य 18/11/2026 13:39	मंगल 22/11/2026 12:06 राहु 02/12/2026 15:00 गुरु 11/12/2026 14:54 शनि 22/12/2026 07:17 बुध 31/12/2026 20:41 केतु 04/01/2027 19:08 शुक्र 16/01/2027 01:01 सूर्य 19/01/2027 09:59 चंद्र 25/01/2027 00:55
शनि - शुक्र - राहु 25/01/2027 00:55 17/07/2027 12:46	शनि - शुक्र - गुरु 17/07/2027 12:46 18/12/2027 17:58	शनि - शुक्र - शनि 18/12/2027 17:58 18/06/2028 21:09	शनि - शुक्र - बुध 18/06/2028 21:09 29/11/2028 17:40
राहु 20/02/2027 01:30 गुरु 15/03/2027 04:41 शनि 11/04/2027 15:57 बुध 06/05/2027 05:50 केतु 16/05/2027 08:44 शुक्र 14/06/2027 06:42 सूर्य 22/06/2027 22:54 चंद्र 07/07/2027 09:53 मंगल 17/07/2027 12:46	गुरु 07/08/2027 02:16 शनि 31/08/2027 12:17 बुध 22/09/2027 08:37 केतु 01/10/2027 08:32 शुक्र 27/10/2027 01:24 सूर्य 03/11/2027 18:27 चंद्र 16/11/2027 14:53 मंगल 25/11/2027 14:47 राहु 18/12/2027 17:58	शनि 16/01/2028 17:52 बुध 11/02/2028 16:31 केतु 22/02/2028 08:55 शुक्र 23/03/2028 21:26 सूर्य 02/04/2028 01:12 चंद्र 17/04/2028 07:28 मंगल 27/04/2028 23:51 राहु 25/05/2028 11:07 गुरु 18/06/2028 21:09	बुध 12/07/2028 02:15 केतु 21/07/2028 15:39 शुक्र 17/08/2028 23:04 सूर्य 26/08/2028 03:42 चंद्र 08/09/2028 19:25 मंगल 18/09/2028 08:48 राहु 12/10/2028 22:41 गुरु 03/11/2028 19:01 शनि 29/11/2028 17:40
शनि - शुक्र - केतु 29/11/2028 17:40 05/02/2029 04:57	शनि - सूर्य - सूर्य 05/02/2029 04:57 22/02/2029 13:20	शनि - सूर्य - चंद्र 22/02/2029 13:20 23/03/2029 11:18	शनि - सूर्य - मंगल 23/03/2029 11:18 12/04/2029 17:05
केतु 03/12/2028 16:08 शुक्र 14/12/2028 22:01 सूर्य 18/12/2028 06:58 चंद्र 23/12/2028 21:55 मंगल 27/12/2028 20:22 राहु 06/01/2029 23:16 गुरु 15/01/2029 23:10 शनि 26/01/2029 15:33 बुध 05/02/2029 04:57	सूर्य 06/02/2029 01:46 चंद्र 07/02/2029 12:28 मंगल 08/02/2029 12:45 राहु 11/02/2029 03:13 गुरु 13/02/2029 10:44 शनि 16/02/2029 04:39 बुध 18/02/2029 15:39 केतु 19/02/2029 15:56 शुक्र 22/02/2029 13:20	चंद्र 24/02/2029 23:10 मंगल 26/02/2029 15:39 राहु 02/03/2029 23:44 गुरु 06/03/2029 20:16 शनि 11/03/2029 10:09 बुध 15/03/2029 12:28 केतु 17/03/2029 04:57 शुक्र 22/03/2029 00:36 सूर्य 23/03/2029 11:18	मंगल 24/03/2029 15:39 राहु 27/03/2029 16:31 गुरु 30/03/2029 09:17 शनि 02/04/2029 14:12 बुध 05/04/2029 11:01 केतु 06/04/2029 15:21 शुक्र 10/04/2029 00:19 सूर्य 11/04/2029 00:36 चंद्र 12/04/2029 17:05

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमत्ता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबंधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यों कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शरीर से कष्ट की अनुभूति करेंगे जिससे दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के कार्यों को यथासमय पूर्ण करने में भी आप असमर्थ रहेंगे। मानसिक रूप से इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा मन में व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रु पक्ष भी आपका प्रबल रहेगा तथा आपके लिए समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेगा जिससे आपको काफी असुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपकी मान हानि की भी संभावना रहेगी यह या तो आपके स्वयं के कार्यों से होगी अथवा जिससे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आपका कोई संबंध न हो। अतः ऐसे अवसरों से आपको अत्यंत ही सावधान रहना चाहिए।

इस समय व्यापारिक या कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अनुकूल नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ उच्चाधिकारी या सहयोगी आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे। फलतः आपकी पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार में भी इस समय रुकावटें उत्पन्न होंगी तथा इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप असमर्थ रहेंगे। फलतः आर्थिक स्थिति भी विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके अतिरिक्त बेरोजगारों को कार्य मिलने में अत्यंत ही कठिनाई रहेगी।